सत्य एँव अर्थ पूर्ण जीवन की खोज करने वालों के लिए

मृत्युंजय ख्रिस्त

लैमेन इवैंजलिक्ल फैलोशिप, (LEF,Chennai)

मार्च-अप्रैल, 2008

कहाँ है तेरा परमेश्वर?

'मेरे शत्रु मेरी निन्दा करते हैं, मानो मेरी हड्डियां चूर चूर कर देते है। वे दिन भर मुझ से कहते रहते हैं, 'कहाँ है तेरा परमेश्वर?' (भजन संहिता ४२:१०)

स्वादहीन रोज़ की जिन्दगी - ऐसी हमारी इस दुनिया में झूठी निन्दा सहना, नगण्य माने जाना या गलत समझे जाना; कई लोगों के भाग में यही सब कुछ है। नौकरी में खास पद के लिए अभ्यर्थी छांटते समय अच्छे लोगों को एक किनारा कर दिया जाता है। ऐसी स्थिति का सामना करते समय, कई लोगों को रास्ता नही सूझता। या तो वे बुरी तरह से कुढ़ जाते हैं या कड़वाहट से भर और चिड़-चिड़े हो जाते हैं। हमेशा हमें ऐसे लोग देखने को मिलते हैं। ऐसे लोग दूसरों का जीना भी दूभर कर देते हैं।

'वह क्रूस पर चढ़ाया जाय।', भीड़ भड़क उठी। किसी पर अन्याय से ऐसा झूठा इलजाम नही लगाया गया। किसी को इतना तिरस्कार सहना नही पड़ा। सिवाय प्रभु यीशु मसीह के। भीड़ की यह नीचता, छुरे की तरह दिल पर कर गयी। मगर प्रभु यीशु मसीह कड़वाहट और दुर्भावना पर विजय पाना जानते थे। धैर्य, धीरता और प्रेम की सकारात्मक प्रतिक्रिया से वे इन सब पर विजयी रहे।

लोग उन्हें पेटू, पियक्कड़ और पागल कहकर पुकारते थे। प्रभु यीशु मसीह, फिर भी इस फूहड़ धिक्कार को बड़ी सहजता से सह लेते थे। उन्होंने अपनी शान्ति को किसी भी तरह से भंग नही होने दिया।

कुछ निन्दाएं दिल को काटती है और बहुत ही दु:खदायक होती है। भजन लिखने वाले के लिए, अपने शत्रुओं की निन्दा सहना, ऐसा लगा मानो हड्डियां चूर चूर हो रही हों। उन्हें ऐसा गहरी चोट पहुँचाई गई।

धार्मिक और सही-जीवन - इनका अदालतों में, शायद ही कभी इस तरह उपहास किया गया हो, जिस तरह हमारे युग और पीढ़ीयों में किया जा रहा है। आदमी जो बहुत अधिक मात्रा में शराब पीता हो और जरा भी नही लड़खड़ाता, उसे 'हीरो' माना जाता है। जो बेईमानी से पैसे बनाता है और चलाकी से सारे सबूत मिटाता है, उसकी प्रशंसा की जाती है। जब अत्यावश्यक निर्माण सामिग्री और माल, जैसे सीमेन्ट की आपूर्ति में अभाव हो तो, सामान नियन्त्रित रुप से सम्भरण करने के लिए अफ्सरों को नियुक्त किया जाता है। ये अफ्सर लोगों से बहुत बड़ी रकम घूस लेना शुरू कर देते है। मगर लोग उसकी तारीफ करेंगे और कहेंगे, 'वाह, यह आदमी कितना होशियार है।' संक्षेप में कहा जाय तो, दुष्टों की प्रशंसा और धार्मिक लोगों की निन्दा की जाती है।

आदमी जो विवेक और शुद्ध जीनव जीते है, सरकारी सेवक के तौर पर सर्वोच्च सेवा करते है। मगर बेवकूफ कह कर उनकी भी निन्दा की जाती है। यह कह कर कि जब दिन अच्छे जा रहे हों तो इनको पैसे इकट्ठा करना नही आता। प्रमोशन की बारी आती है तो उन्हें छोड दिया जाता है। शराबी और चापलूस जिनको मुश्किल से अपना काम मालूम है, उन्हें तरक्की मिलते देखना, एक न्यायी व्यक्ति के लिए अपमानजनक बात है। ऐसी मुश्किल परिस्थिति में सदा करुणामय यीशु मसीह पर भरोसा रखना - इसके अलावा शायद

पृष्ठ २ पर...कहाँ है तेरा परमेश्वर..

परमेश्वर की हम पर माँग

'और गधे का एक बच्चा पाकर यीशु उस पर बैठ गया, जैसे लिखा है।' (यूहन्ना १२:१४)

गधे का एक बच्चा! यीशु उस पर बैठ गया। वह गधा बहुत ही सौभाग्यशाली था। पलिस्तीन देश में खच्चर को एस शाही सवारी माना जाता है। यीशु किसी का निरादर नही करते। अपने राज्य के काम में, हर एक को इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं। परमेश्वर किसी का भी उपयोग कर सकते है। एन प्रेस्टन एक बहुत ही बेवकूफ महिला थी। मगर परमेश्वर ने अद्भुत रुप से उसका इस्तेमान किया। एक रात उसने परमेश्वर का वचन सुना। और परमेश्वर की आत्मा ने उसको छूआ। बहुत लोग प्रचार करते है मगर वे, उनकी आत्मा को छू नही पाते। मूड़ी एक प्रभावशाली संजीवन कर्ता बनने से बहुत पहले से ही वे एक प्रचारक थे। दो स्त्रियाँ उनके लिए प्रार्थना किया करती थीं कि वे पवित्र आत्मा से भर जाएं।

तुम में एक आत्मा है। प्रार्थना सभा में जाने से पहले, तुम अपनी आत्मा को तैयार करना और तब निकलना। आकस्मिक तुम्हारी आत्मा

पृष्ठ ३ पर..परमेश्वर की हम पर माँग..

आत्मिक उन्नति के लिए देखना न भूलें

'परमेश्वर की चुनौती'

ETC TV कार्यक्रम

हर शनिवार सुबह ७:०० बजे

पृष्ठ १ से..कहाँ है तेरा परमेश्वर..

ही कुछ और, आपकी आध्यात्मिक मांस-पेशियों को मजबूत बनाता हो।

हंसी उड़ाये जाने पर लगने वाली गहरी चोट के बारे में इधर बैाइबल बात करता है, 'तेरा परमेश्वर कहाँ? जब धर्मि दुर्भाग्य सहते है और विफल होते है तो लोग तुरन्त कहेंगे, 'उनका परमेश्वर कहाँ?' यहाँ तक कि मैंने एक मूर्ख को कहते सुना, 'देखो, यीशु कैसी दयनीय मृत्यु मरा है।' यहाँ तक कि वह ऊंची आवाज में चिल्लाया, 'हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया?' बेचारे उस आदमी को यह नही मालूम था कि जब यीशु ने आपने आप को एक पापी के स्थान पर रखा था, उस पापी के लिए योग्य सहज दण्ड और परमेश्वर से अलगाव, यीशु के भाग में आया है। यीशु ने कहा कि अगर वह चाहते, उन्हें मृत्यु से छुड़ाने के लिए स्वर्ग से हजारों स्वर्गदूतों को आदेश देते। मगर उनका यह उदेश्य न था। वह पापियों के लिए मरने इस दुनिया में आया है। इस तरह, यीशु ने उस पापी के लिए स्वर्ग का द्वार खोला है, अतिनीच अपराधी, जो विश्वास के द्वारा उनकी तरफ मुड़ता है। वह हंसी उड़ाने वाला आदमी जिसका जिक्र मैंने किया एक मूर्ति पूजक था। वह परमेश्वर के बारे में सिर्फ यह सोचता है कि परमेश्वर एक गंभीर, शक्ति है। पापियों के लिए अपने आप को एक महान बलि बनकर चढ़ाये - पापी को अपने पाप से छुढ़ाने वाला एक 'उद्धरकर्ता' नही।

हाँ, परमेश्वर के बारे में भी लोग बिना सोचे-समझे कुछ भी बातें कह देते हैं - ऐसे एक मात्र सिद्ध परमेश्वर जो इस संसार के उद्धारक है।

फिर भी, ऐसी स्थिति और समय होंगे, जब परमेश्वर बिलकुल मौन प्रतीत होते है। यह मसीह के बैरियों के लिए ताने मारने का एक बहुत ही अच्छा अवसर होगा। मगर जब परमेश्वर का उत्तर आ जाय तो (जरूर आयेगा ही), सुसमाचार पर हँसनेवाले और उसके सब शत्रु हैरान और तितर-बितर किये जायेंगे।

मगर फिर भी हमें इस बात के विषय में सावधान रहना है कि परमेश्वर का सख्त निशब्द प्रतीत होना कहीं हमारे गुप्त पापों के कारण तो नहीं! आकान ने चालाकी से अपने पाप को इस्राएलियों के तम्बू में छिपाया (यहोशू :४)। तब परमेश्वर अपने जनों के साथ नही जा पाये। उन्हें घोर पराजय का सामना करना पड़ा। और छत्तीस आदमी युद्ध में मारे गये। जब हम पाप को छिपाते है तो परमेश्वर का हमारे आगे-आगे चलने का यह अद्भुत भाग खो बैठते है। ऐसे समय, हमारे बैरियों का ताना मारना हमारे लिए एक वरदान साबित हो सक्ता है। क्यों कि वह हमें अपने आपको परखने और सोचने पर, हमें मजबूर कर देता है।

धर्म अनुयायियों की निन्दा ही नही, प्रभु यीशु मसीह को, अपने ही चेले यहूदा के विश्वासघात का दर्द भी सहना पड़ा। पवित्र बाइबल कहता है, 'क्योंकि जो मेरी बदनामी करता है वह मेरा शत्रु नहीं, अन्यथा मैं सह लेता, न वह मेरा बैरी है जो मेरे विरुद्ध डींग मारता है, अन्यथा मैं अपने आप को उस से छिपा लेता।' (भजन संहिता ५५:१२) हाँ, उनके अपने ही ने, उनसे विश्वासघात किया है।

विविध वैज्ञानिक प्रशिक्षणों में, जाँच-पडताल की सीमा में से परमेश्वर को बिलकुल हटादें - आज हमारे विश्वविद्यालयों में, कई नवजवानों को जानबूझ कर इस तरह ही सिखाया जा रहा है। परमेश्वर को पूरी तरह से उपेकक्षित करने का प्रोत्साहन दिया जा रहा है। और यह सिखाते है कि वे स्वयं अपने आप को भगवान समझे। इसलिए वे नैतिकता की हर विधि को त्याग कर बहुत असंयमी व्यभिचार में जी रहे हैं। इस तरह की गैर जिम्मेंदारी और जवानी के अक्खड़पन को, आजकल पढ़े लिखे नवजवानों केलिए सहज माना जा रहा है। (कौतुक-व्यवसाय) फिल्मी-जगत के कई ऐसे देवी-देवता अपनी इस बिना रोक-टोक वाले कल्पनालोक से मुक्ति पाने के लिए, अधिक मात्रा में नींद की गोलियाँ या ऐसे ही कुछ चीजों का सहारा ले रहे है।

यह एक चुनौती देने वाली घड़ी है। किस तरह एलिय्याह ने प्रार्थना की, उसी तरह हमारे लिए भी प्रार्थना करने का यह समय है। एलिय्याह ने किस तरह अपने दिनों में, पाप, व्यभिचार, मूर्तिपूजा पर विजय पायी; यह हमें भी पानी है। प्रिय पाठक, अगर तुम्हारे सह कर्मियों द्वारा तिरस्कार या सत्य तथा पवित्रता के विरोधियों की निन्दा से तुम्हारी हड्डियां चूर चूर हो रहे हो तो, व्याकुल ना हो। हमारे परमेश्वर हमें ऊपर उठायेंगे और मुक्त करेंगे। अपने जीवित मसीह कृपा से हम देखेंगे। वह इन जहरीले जीभ वालों के हमलों से हमें बचायेंगे।

- जोशुआ दानिय्येल।

For More Details Please contact on any of the following Addresses.

ALLAHABAD : Beautiful Books, 194A, Old Mumford Ganj,Pin Code-211 002, Uttar Pradesh, Ph.0532-2642872.
BANSI : Eton English Medium School,Chitaunakothi,Siddharth Nagar Dt, Pin Code-272 153, Uttar Pradesh, ph.05545-255002
MUMBAI : Beautiful Books,Hotel Victoria, Ground Floor,SBS Marg,Near GPO, CST, Pin Code.400001, Ph.022-66334763/ 25008840
NOIDA(Delhi): Beautiful Books, Basement, Sharma Market, Atta, Sector-27, NOIDA, Uttar Pradesh Ph.09810776324.
GANGTOK : Beautiful Books, P.B.No.94,31A, National Highway, Below High Court, Sikkim, Pin Code.737101 Ph.03592-228733
SHILLONG : Beautiful Books, P.B.No.39, Nongrimbah Road, Laitumkarh,Pin Code.793003, 0364-2501355

मिठाई या गैरमसीही?

'मुझे याद है, जब मैं एक छोटा सा लड़का था, किसी ने मुझे पांच सेन्ट दिये थे। इससे पहले, मेरे पास इतनी बड़ी रकम कभी न थी। मुझे लगा कि मैं अमीर हो गया हूँ। मैने सोचा, 'वाह, इन पाँच सेन्ट से मैं छः मिठाई खरीद पाऊँगा!' मैं दौड़ कर घर के अन्दर माँ के पास गया। यह पूछने कि मैं तुरन्त दुकान जाकर वह मिठाई खरीद लूँ। मेरी माँ ने कहा, 'नही, शनिवार की शाम हो चुकी है सूरज ढलने वाला ही है, तुम जा नही सकते। सोमवार तक तुम को इन्तजार करना पड़ेगा।' रविवार को ले कर मैं इससे पहले कभी इतना आतुर नही हुआ। वह मेरे और मेरी मिठाई के बीच अड़चन बन कर आया। तभी मुझे लगा कि कोई मुझ से कुछ कह रहा है, 'ठीक है, नन्हे बालक, क्या तुम्हें नही लगता कि तुमको अपना पाँच सेन्ट गैरमसीही के लिए देने चाहिए?' उस समय मैं नही जानता था कि किसने यह विचार मेरे मन में पैदा किया। मगर, मिशन के लिए अर्पण कल लेने वाले है। - इस घोषण के बारे में मैं ने सुना था। और अब मैं जानता हूँ कि तब परमेश्वर की आत्मा ने ही मुझ से बात की थी। वह मुझे एक मिशनरी बनाना चाहते है। मगर मैं तो छोटा हूं और तैयार नही हूँ। गैरमसीही तो बहुत दूर है। उनके बारे में मैं ज्यादा कुछ नही जानता। और मुझे उनकी परवाह भी नही है। मगर मैं मिठाई के बारे में तो सब कुछ जानता हूँ। वह केवल दो मील की दूरी पर दुकान में है। मुझे वह मिठाई बहुत पसंद है। और मैंने तैय किया कि मुझे वह खरीदनी है। मगर उससे मेरे अंदर का संघर्ष खतम नही हुआ। मिठाई या गैरमसीही ,गैरमसीही या मिठाई, उन पाँच सेन्ट के लिए संघर्ष कर रहे है। अंततः मैं बिस्तर पर लेटा मगर सो नही पाया। साधारणतः मेरा सिर तकिये को छूते ही मैं सो जाता था। मगर उस रात मैं सो नही पाया। क्यों की मिठाई और गैरमसीही, प्रेम और स्वार्थ के बीच मेरे मन में एक युद्ध हो रहा था। अंत में अच्छा भाग गैरमसीही का हुआ। मैंने यह निर्णय किया कि कल सन्डे-स्कूल में जा कर मैं अपने पाँच सेन्ट अर्पण में डाल दूँगा। मुझे बहुत खुशी हुई और अगले ही पल मैं सो गया। मगर जब मैं उठा, सुर्योदय हो चुका था। और मेरा स्वार्थ वापस आया। मुझे वह मिठाई चाहिए और मेरे अंदर लड़ाई जारी थी। मगर सन्ड़े-स्कूल समय से पहले अंत में प्रेम की विजय हुई। मैं सन्ड़े-स्कूल गया। जब मिशन के लिए अर्पण की थाली लाई गयी तो, मैंने अपने पाँच सेन्ट उस में डाल दिये। क्या तुम यकीन कर पाओगे, मिठाई की पूरी दुकान मुझे मिल जाय, उसे से भी अधिक खुशी मुझे हुई! और किसी भी लड़के या लड़की को भी होगी जो यीशु मसीह के लिए निःस्वार्थ कार्य करेंगे।'

-'गेफोर्त आफ चाइना' से चुनीहुई।

पृष्ठ १ से..परमेश्वर की हम पर माँग..

जागरूक होगी और तुम रो उठोगे। 'मैं रास्ते से भटक गया हूँ! अहंकार का रास्ता अपनाया हूँ।' तुम दूसरों मे दोष निकालने वाला रहे हो। हमेशा उपदेशक की गलतियाँ निकालते हो। यह इसलिए है कि तुम नम्र नही हो। प्रचारक गलत होने के बावजूद भी, परमेश्वर उनके द्वारा तुम्हारे लिए एक संदेश दे सकते है, अगर तुम तैयार हो कर जाओ तो।

यीशु गधे पर सवार होकर पवित्र नगरी जा रहे थे। पवित्र आत्मा जब तक तुम्हारी आत्मा पर नियन्त्रण पा ना ले, तब तक तुम सिय्योन पहुँच नही पाओगे। 'पवित्र आत्मा स्वयं हमारी आत्मा के साथ मिलकर साक्षी देता है कि हम परमेश्वर की सन्तान है।' (रोमियों ८:१६)

जब पवित्र आत्मा तुम्हारी आत्मा का नियंत्रण करता है, तब तुम एक टूटे हुए आदमी रहोगे। तुम्हारा हर एक कदम, तुम्हें परमेश्वर की और निकट ले जायेगा। सन्तों के अनुभव स्वयं तुम्हारे अनुभव होंगे। अब्राहम गदहे पर सवार हो कर होम बलि चढ़ाने मोरिय्याह पर्वत पर गये। वही पर्वत सिय्योन पर्वत बन गया। वहीं पर राजा सुलैमान ने अपने मन्दिर का निर्माण किया। अनगिनत बलि वहाँ चढ़ायी गयीं। परमेश्वर के पुत्र ने भी वही पर मनुष्य जाति के लिए अपने आपको बलिदान किया।

यीशु मसीह को यह गधे का बच्चा बड़ी नम्रता से अपनी पीठ पर ले जा रहा था। उसे भी आदर मिला। यदि प्रभु यीशु पैदल चलते और लोग अपने वस्त्र बिछाते, ताकि वे उन पर चलें, तो बात अलग थी। मगर अब वह गधा उन कपड़ों पर चल रहा था। उसके पैर मैल नही हो रहे थे। जब तुम प्रभु यीशु को अपनी आत्मा और प्राण पर हावी होने देते हो, तो तुम्हारे पैर गंदें नही होंगे। हालांकि तुम गौरव पाने के जिज्ञासु नही हो फिर भी तुम्हे आदर मिलेगा। कभी सम्मान पाने की कोशिश मत करो। अगर तुम्हें मान मिले; वह परमेश्वर की ओर से मिले। 'तुम ऐसे लोग हो जो मनुष्यों के सामने अपने आप को धर्मी ठहराते हो, परन्तु परमेश्वर तुम्हारे हृदय को जानता है। वह जो मनुष्यों में अति सम्मानित है, परमेश्वर की दृष्टि में तुच्छ है।' (लूका १६:१५) मैं कुछ लोगों को जानता हूँ जो जवानी में अपनी भक्ति के कारण बहुत सम्मान पायें हैं। मगर बाद में वे सिय्योन की ओर कदम बढ़ा नही पाये। उनका अन्त बहुत दर्दनाक था। क्या परमेश्वर का आत्मा तुम पर सवार है?

'बैल तो अपने मालिक को, और गदहा अपने स्वामी की चरनी को पहचानता है, पर इस्राएल नहीं पहचानता, मेरी प्रजा नहीं समझती है।' (यशायाह १:३) एक गदहा भी अपने स्वामी को पहचानता है; क्या तुम जानते हो कि तुम्हें किधर रहना है? क्या तुम जानते हो किधर तुम्हारे लिए परमेश्वर का संरक्षण है? यीशु को अपना पीठ पर लिया हुआ गधा, मौन और स्थिरता से चलता गया।

इस घटना की, ४०० साल पहले ही नबुवत की गयी थी। परमेश्वर के समुख तुम्हारे लिए एक नबुवत है। जब परमेश्वर की आत्मा तुम पर आयेगी, तब परमेश्वर का तुम्हारे लिए जो योजना है, वह सफल होगी। अगर तुम उस आशीर्वाद को खो दोगे तो, तुम एक दिन रो पड़ोगे। इस संसार की तरफ मत देखो। मगर अपने सृष्टिकर्ता की तरफ देखो। एक वक्त पर, एक नबी को सन्देश देने, परमेश्वर ने एक गधे का उपयोग किया था। तुम जैसे नवजवान को, शायद नबियों के लिए नबुवत करनी पड़े!

- स्वर्गीय श्रीमान एन दानिय्येल।

सत्य की परख!

' परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण बेधा गया, वह हमारे अधर्म के कामों के लिए कुचला गया; हमारी ही शान्ति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी, उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए। (यशायाह ५३:५)'

रोटी, सर!

वह छः साल से अधिक उम्र का नही होगा। मैला मुँह, नंगे पाँव, फटे कपड़े और खुरदरे बाल। रियो डि जनिरों में घूमते लाखों अनाथों से वह कुछ अलग ना था।

एक कप कॉफी पीने मैं जलपान गृह की तरफ जा रहा था, तो वह मेरे पीछे आया। जो काम खतम करके मैं आ रहा हूँ और जिस कक्षा, अभी जो मै पढ़ाने जा रहा हूँ - इन सभी विचारों में खोया हुआ था। और मेरे हाथ का थप-थपाना मुश्किल से मुझे उसका आभास हुआ। मैं रूक गया और मुढ कर देखा तो कोई नजर नही आया। मैं आगे बढ़ा। कुछ ही कदम आगे चलने के बाद, दुबारा जोर से थपकी महसूस की। इस समय मैं रुक गया और नीचे देखा। वह वहाँ खड़ा था। मैले गाल और कोयल से काले बालो की वजह से उसकी आँख और भी सफेद दिख रही थी। 'पाँव, सिनयोर?' (रोटी सर?)

ब्राजिल में रहते, इन छोटे निर्वासित बच्चों को सैन्डविच या कुछ मिठाई खरीद कर देने के अवसर तो रोज मिलते है। ऐसे बच्चों के लिए कम से कम यह तो कर सकते है। उस लड़के को अपने साथ आने के लिए कहा। दोनों बगल में एक अल्पाहार-गृह में गये। 'मेरे लिए कॉफी और मेरे छोटे मित्र के लिए कुछ स्वादिष्ट।' मिठाई के काउन्टर पर लड़का दौड़ता गया। सामान्यतः ये बच्चे खाना लेते है और बिना कुछ कहे हड़बड़ी में वापस लौट जाते है। मगर इस नन्हे बालन ने मुझे चकित किया।

वह जलपान-गृह एक लम्बे बार के जैसा था जिस में एक तरफ केक, मिठाई वगैरह थे। और दूसरा छोर पर कॉफी थीं। जब वह लड़का अपने लिए चुन रहा था तो मैं उस बार के दूसरी तरफ जाकर अपनी कॉफी पीने लगा। अपने खोये विचारों को दुबारा पटरी पर लाने में था, तो वह लड़का फिर दिखा। हाथ में ब्रेड लिए वह द्वार पर, पंजों के बल खड़ा होकर लोगों को देख रहा था। 'क्या कर रहा है?' मैं ने सोचा।

उसने मुझे देख लिया और मेरी तरफ दौडता आया। मेरे कमर तक उसकी लम्बाई होगी। वह छोटा ब्राजिल का अनाथ एक लम्बे अमेरिकन मिशनरी की तरफ देख रहा है। ऐसा मुस्कराया कि तुम्हारे दिल को चुरा ले। और कहा 'ओब्रिगादो' (धन्यवाद) अपनी ऐडी को पंजे से खरोंचते, अधीरता से फिर कहा, 'मीतो आबिगादो' (बहुत बहुत धन्यवाद।)

अचानक, मुझे लगने लगा कि मैं वहाँ का सब कुछ उसके लिए खरीद कर दे दूँ। मगर कुछ कहने से पहले वह दौड़ता बाहर चला गया। यह सब लिखते, इस कॉफी बार पर मैं अभी खड़ा हूँ। मेरी कॉफी ठंडी हो चुकी है और मेरी क्लास के लिए भी देरी हो चुकी है। मगर एक घंटे पहले के इस अनुभव को मैं अब भी महसूस कर रहा हूँ। और इस प्रश्न पर विचार कर रहा हूँ - रोटी के टुकड़ा के लिए एक अनाथ का धन्यवाद देने से कितना खुश हूँ, तो परमेश्वर और कितना अधिक प्रभावित होंगे - मेरी आत्मा बचाने के लिए - सचमुच धन्यवाद कहने के कारण?

- ग्याक्स लुकॉडो के 'नो वन्डर दे कॉल हिम था सेवियर' से चुनीहुई।

मृत्युंजय ख्रिस्त

पुनरूत्थान द्वारा आश्वासन

लगभग सौ साल पहले की बात है। एडिनबर्ग नामक शहर में रॉबर्ट फ्लकार्ट नाम का जाना-माना व्यक्ति था। हालाँकि वे अभिषिक्त प्रचारक तो न थे, मगर पैंतालीस साल से भी ज्यादा समय से, लगातार वे हर रात खुले मैदान में सुसमाचार का प्रचार करते रहे। एक रात, रोमियों ४:२५ (वह हमारे अपराधों के कारण पकड़वाया गया और हमारे धर्मी ठहराए जाने के लिए जिलाया भी गया), इस वाक्य पर बात करते समय, अपने उपदेश का खुलासा करने के लिए निम्न लिखित कहानी का दृष्टान्त दिया।

'मेरी एक बुआ मर गयी थी। और अपनी वसीयत में मेरे लिए बहुत बड़ी रकम छोड़ गयी थी। मगर उस वसीयत के खिलाफ रिश्तेदारों ने दावा किया और मुझे कुछ नही मिला। एक और अवसर पर, मेरे एक पुराने सन्डे-स्कूल छात्र ने मुझे अपनी जेल की कोठरी पर आकर उसके साथ प्रार्थना करने की माँग की। उसने सुसमाचार को स्वीकार नही किया था। वह मृत्यु दण्ड की सजा पाए था। आँखों में आँसू लिए उन्होंने कहा, 'मिस्टर फ्लकार्ट, इस दुनिया में मेरे लिए आप ही एक अच्छे मित्र हो। मैं अपनी सारी संपत्ति आप के लिए छोड़ रहा हूँ।' फिर भी, उस नवजवान की मृत्यु नही हुई; उसे क्षमा किया गया। और दुबारा मुझे कुछ नही मिला।'

'मगर अब प्यारे मित्रों, इन सब से बढ़कर एक और कहानी सुनाना चाहता हूँ। परमेश्वर का पुत्र, प्रभु यीशु मसीह जो सब से सर्वदा मेरा अच्छा मित्र है - कल्वरी के क्रूस पर मेरे लिए मरा है और अनन्त जीवन की वसीयत मेरे लिए छोड़ी है। और तीसरे दिन जी उठा ताकि वह अनन्त जीवन मुझे निश्चित ही मिले। प्रभु की स्तुति हो। हाँ, मसीह की मृत्यु, हमारे अपराधों के लिए अदायगी है, जब की उनका पुनरुत्थान हमारे उद्धार का आश्वासन है।

- चुनीहुई।

कृपया पढ़ने के पश्चात मित्रों को दीजिए।